

सम्पादकीय

बाल सुलभ मनोभावों की सुंदर अभिव्यक्ति

बाल किशोर कहानी संग्रहद्वय सुम्मी चिड़िया की सीख साहित्य सृजन करना, और साहित्य में जीना बिलकुल अलग बात है, बाल कहानीकार श्री टिकेश्वर सिन्हा जी, इन बातों में यदि कोई मेल खाता है तो वह है, 'साहित्य में जीना'। श्री सिन्हा सर जी वास्तव में साहित्य के लिए जीते हैं। चौबीस घंटे चौबीस पहर, सिर्फ और सिर्फ साहित्य के लिए समर्पित रहते हैं। इनके दूसरे पहलू की बात करें तो इनका सारा ध्यान, मनन चिंतन, बाल साहित्य सृजन पर आ टिकता है। ऐसा भी नहीं है कि वे मात्र बाल साहित्य ही लिखते हैं, श्री सिन्हा जी की लेखनी सामाजिक स्वच्छता, पारंपरिक ऐतिहासिक, और समसामयिक साहित्य पर भी आबाध गति से चल रही है। जिसमें उनका जीता जागता उदाहरण लघुकथा, कहानी, लेख, आलेख, हायकु, नई कविता आदि है। लेकिन घुमफिर कर उनकी लेखनी वहीं आके रुक जाती है, जहां से वह बाल साहित्य की सृजन कर सके। और इस बाल साहित्य सृजन में उनका कोई जवाब नहीं है। इस मामले में वे बेजोड़ हैं। जिसमें उन्होंने बाल कविता, बाल कहानी, बाल पहली, लिखने में अपनी विशेष पहचान बनाई है। और इसी पहचान को बरकरार रखते हुए उन्होंने बाल सुलभ मनोभावों को सुंदर अभिव्यक्त करते हुए बाल किशोर कहानी संकलन के रूप में धुम्मी चिड़िया की सीख सृजन कर डाली। जिसमें उन्होंने बाल मन में उठने वाली

जिज्ञासा, अभिलाषा, निष्ठा, प्रेम, ममता, आत्मविश्वास, स्वामिमान, मिथी के प्रति अपनापन की भावना को अपनी कहानी का माध्यम बनाया है। इस संकलन में उनकी पहली कहानी प्याशांक की गुरु भक्ति है। जिसमें गुरु के प्रति अगाध श्रद्धा और विश्वास को जगाया है, जिसमें शशांक को फूल तोड़ते समय सर्फ के उसने पर भी गुरु के प्रति निष्ठा, बनी रहती है, और जान जोखिम में डाल कर भी अपना कर्तव्य पूरा करता है। दूसरी कहानी प्यार की का फल में सारे पछियाँ द्वारा एकता का परिचय देते हुए, कोए को सबक सिखाना है। तीसरी कहानी ध्वजय परिवर्तन है जिसमें राजा शशांक चंद्र को बेटी सुष्टि द्वारा कर्तव्य बोध कराकर निरीह प्राणियों की रक्षा लिए संकल्प कराना। चौथी कहानी प्याखी का मान है जिसमें भाई की याद में रोती हुई बहन का मुस्लिम करीम भाई जान के द्वारा राखी बंधवाकर और जान की बाजी लगाकर कर्तव्य और समरसता का परिचय देना। पांचवी कहानी छोटी बहन है जिसमें छोटी बहन के द्वारा भाई दुबहन के अट्ट प्रेम को दर्शाते हुए, अपने बड़े भाई बिहू के दोष को छिपाना और अपने ऊपर ले लेना। छठवी कहानी प्याखी मित्रता है इसमें भंगी द्वारा पेड़ से गिरकर मूर्छित होना और मित्रता की मिशाल प्रस्तुत करते हुए सारे मित्रों का साथ देना।

सातवी कहानी धुम्मी चिड़िया लीट आई है, जिसमें जंगल में रहने वाले प्राणियों के माध्यम से यह बताया गया की एकता और भाईचारे से बड़े से बड़ा समस्या का समाधान हो जाता है, जैसे की उन्होंने मिलजुलकर अपने जंगल में बांध बनाकर जल की समस्या को दूर कर लिया। आठवी कहानी प्यार के का पानी है जिसमें ज्ञानद्विज्ञान की बात करते हुए कहानीकार ने मटके का पानी ढंडा क्यों होता है? इस पर उन्होंने मटके के अंगनित छिद्रों से वाष्पीकरण का होना बताया। इसी प्रकार क्रमशः अहत्याकांक्षा में प्रणव के अनुरूप लकड़ी के काम करने हेतु मातादुष्टिता द्वारा प्रोत्साहित करना। मनु समझ गया, बाइक ड्राइविंग, सुम्मी चिड़िया की सीख, शोभाचय बन गया, जाननी जन्मभूमिश्च, अहसास, हैप्पी दिवाली, इस बार की होली कहानियाँ सुंदर बन पड़ी हैं, जिसमें कहानीकार सुंदर मुहावरें जैसेदृ पौ फटना, दिल पजीसना, आंखों से ओझल होना, सिद्धीदुपिठ्टी गुम होना, आदि का उपयोग करते हुए प्रकृति पर्यावरण व आंचलिक, सरल सहज भाषा और भावों को कलात्मक बना दिया है। और अपनी बाल मनोवृत्ति का परिचय देने में सफल हो पाए। जिसको पढ़कर बाल किशोर मन को जरूर सीख मिलेगी।

समीक्षाकारदृ शशोक पटेल आशु तुस्मा, शिवरीनारायण (छ जी) 9827874578 कृति का नामदुम्मी चिड़िया की सीख कृतिकारदृ श्री टिकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला समीक्षकदृ अशोक पटेल आशु प्रकाशकदृ मधु प्रकाशन बालोद, (छ ग) मूल्यदृ 250।

लघुकथा कन्या पूजन

बहनजी! कल अपनी बिटिया को सुबह आठ बजे हमारे घर कंजक जीमने भेज देना।
जीमने भेजा।
भाभी! एक बात पूछूँ?
हाँ! पूछो।
भाभी, यह दो घर छोड़कर जो घर है, है तो वह सनातनी ही पर मैंने पिछले नवरात्रों में भी देखा था और इस बार अष्टमी पर भी नौटिस किया कि वह कन्याओं को जीमने के लिए नही बुलाते। नवरात्रों में उनके यहाँ पूजा पाठ की आवाज तो आती है।
पूजा! तुम्हें यहाँ आए अभी आठ महीने ही हुए हैं इसलिए तुम यहाँ के लोगों से ज्यादा परिचित नहीं हो। इस घर के मुखिया ने अपने घर में काम करने वाली बाई की बारह वर्षीया लड़की पर बुरी निगाह डाली थी। उस दिन काम करने वाली बाई के घर में नवमी की पूजा थी। कन्याओं को जिमाने का काम निपटाने निपटाने उसे देर हो चुकी थी तो उसने अपनी बेटी को काम पर भेज दिया। इनके यहाँ सब मंत्रिण गए हुए थे। भरत साहब ने उस मासूम बच्ची को दबोच लिया। वह तो शुरु है कि उसकी भी समय पर आ गई और बच्ची बच गई। तुम ही बताओ, जो इसना सिरियों पर बुरी निगाह डाले, वैसे उस कन्या पूजन का अधिकार है। बस तभी से मोहल्ले वालों ने उनका बाँधकॉट कर दिया। अब उनके घर कोई भी कन्या जीमने नहीं जाती।



मौलिक सृजन
ऋतु अग्रवाल
मेरठ

हर इंसान का चाहिये समाज और देश

में अपना योगदान दे मानव जीवन बहुत बहुत ही मुश्किल से मिलता है यह कहाँ जाता है इसके पीछे यही भावना रहती है कि हम कुछ अच्छा करे ताकि देश को, समाज को अपना कुछ योगदान दे हर इंसान का जन्म कुछ कार्य के लिए कुछ विशेष रूप से ईश्वर द्वारा रचित है जिसे इस धरती पर अपना कार्य संपादित कर अपना दायित्व निभाना है किंतु देखा गया है कि आज अधिकांश लोग इस बात से अनजान हैं या जानते हुए भी कुछ करना नहीं चाहते हैं, सिर्फ खाने और अच्छा महने को और धुमने को आज अधिकांश लोगों ने अपना जीवन समझ लिया है जैसे किसी लिए उनका जन्म हुआ है मेरी बात बहुत बहुत कड़वी लग सकती है पर एक सच है जो लिख रहा हूँ जबकि इंसान जन्म कुछ कर देश समाज और धरती का कर्ज उतारने के लिए भी है यह बात एकदम सत्य है कि हम सब में सब कुछ है जो हम कर सकते हैं पर ऐसे कार्य के लिए हमें बहुत कुछ त्याग करना पड़ता है तभी यह सम्भव है बिना त्याग के श्रम के और चाह के बिना सम्भव नहीं है पर आज अधिकांश लोग सुखों के इतने आदि हो चुके हैं कि वे कुछ करना ही नहीं चाहते बल्कि हजारों की संघ है बस बैठे बैठे खाये और बिन कुछ त्याग के परिश्रम के सब कुछ मिल जाय जो कभी भी संभव नहीं है अगर हम सचमुच अपने घर, समाज और देश के लिए भी कुछ करना चाहते हैं तो जीवन में त्याग की बहुत बहुत जरूरत है खैर अंत में यही कहूंगा सभी को चाहिए कि हमें मानव जीवन सिखा है तो इसको सार्थक कार्य से सार्थक करें और कुछ समाज प्रतिदिन देश समाज और दूसरों को सुख चैन और सुकून देने में भी लगाये ताकि जीवन के अंतिम समय में हमें भी सुख चैन और सुकून मिले नहीं तो यही पीड़ा बनी रहनी अंतिम समय में कि हमें मानव जीवन मिला और हमने व्यर्थ कर दिया कुछ नहीं कर पाये तब तब ख्याय पिया और मरती के जो देखने में आता है अक्सर लोग ये बात करते दिखाई देते हैं कि क्या करें सारा जीवन कमाने और गवाने में लगा दिया कुछ किया नहीं



डॉ राम शंकर चन्चल
आवृआ मध्य प्रदेश

यह सही है कि

हो आत्मविश्वास अपने सामर्थ्य पर। दृढ़ संकल्प और आगे बढ़ने की हो शरत साध। विता नहीं चिंतन करता। व्यथा नहीं व्यवस्था करता। परिणाम लाने को प्रयास करता। कायरता नहीं कार्य करता। हृदय में ईसानियत का दरिया बहता। उनको मला क्यों किसी से भय लगता? जिसने आत्मविश्वास खो दिया मानो उसने जिन्दगी के चरम लक्ष्य को खो दिया। आत्मविश्वास ऐसा अमूल्य धन है जिसको हमें सदैव अपने पास रखना चाहिये खोना नहीं चाहिये। अगर हमारे पास आत्मविश्वास है तो असम्भव भी सम्भव हो सकता है। अगर हम अपने जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहते हैं तो हमें दर्द को अपना दोस्त बनाना होगा। अपना कॅरियर भी कुछ-कुछ जिन्दगी जैसा ही होता है। जिन्दगी की तरह ही कॅरियर में भी काफी उतार-चढ़ाव, सफलता-विकलता देखने के बाद ही कामयाबी मिलती है। हालांकि जिन्दगी में जैसे-जैसे हम अपने सफर पर आगे बढ़ेंगे, वैसे ही हम स्वयं को ज्यादा खोया आओ और निराश महसूस करेंगे। ऐसे समय में हम अपने लक्ष्य से पीछे हटना चाहेंगे क्योंकि उस समय हमारा अपना आत्मविश्वास डगमगा रहा होगा। यही वह समय होगा जब हमें अपने लक्ष्य के प्रति अडिग रहना होगा और स्वयं को प्रोत्साहित करना होगा। अतः हमारे जीवन में असफलता ही सफलता की जननी है। कहते हैं कि दुःख में ही भगवान याद आते हैं। भगवान का हृदय से स्मरण करते हैं। खुद पर ही आत्मविश्वास और हो समुचित काल भाव से उस और प्रयास तो मैं कह सकता हूँ की मानव को मिले या ना मिले किसी का साथ फिर भी वह बचा सकता सफलता का राखनान।



प्रदीप छाजेड
(बोवाड़)

मिश्र के मंदिर में मिले 2000 से अधिक ममीकृत भेड़ के सिर, अमेरिका के पुरातत्वविदों ने की खोज

मिश्र में पुरातत्वविदों ने 2,000 से अधिक प्राचीन ममीकृत भेड़ के सिर की खोज की है। पर्यटन और पुरावशेष मंत्रालय ने रविवार को कहा, इन्हें फिरीन रामसेस प के मंदिर में प्रसाद के रूप में छोड़ा गया था।

मंदिरों और मकबरों के लिए प्रसिद्ध दक्षिणी मिश्र के एबिडोस में न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के अमेरिकी पुरातत्वविदों की एक टीम ने कुत्तों, बकरियों, गायों, गजल्स और नेवले की ममी भी खोदी थी। अमेरिकी मिशन के प्रमुख सामेह इस्कंदर ने कहा कि राम के लिए प्रसाद थे, जो फामसेस द्वितीय की मृत्यु के 1,000 साल बाद मनाया जाने वाला एक पंथा दर्शाता है।

रामसेस द्वितीय ने 1304 से 1237 ईसा पूर्व तक लगभग सात दशकों तक मिश्र पर शासन किया। मिश्र के पुरावशेषों की सर्वोच्च परिधद के प्रमुख मुस्तफा वजीरी ने कहा कि इस खोज से लोगों को रामसेस द्वितीय के मंदिर और 2374 और 2140 ईसा पूर्व के बीच इसके निर्माण से लेकर 323 से 30 ईसा पूर्व टॉलेमिक काल तक हुई गतिविधियों के बारे में अधिक जानने में मदद मिलेगी। पुरातत्वविदों ने जानवरों के महल के अवशेषों की भी खोज की

ममीकृत जानवरों के अवशेषों के साथ-साथ, पुरातत्वविदों ने करीब 4,000 साल पहले की पांच मीटर मोटी (16 फुट) दीवारों वाले एक महल के अवशेषों की खोज की। उन्हें कई मूर्तियाँ, पत्थर, प्राचीन पेड़ों के अवशेष, चमड़े के कपड़े और जूते भी मिले। एबिडोस, जो काहिरा के दक्षिण में नील नदी पर लगभग 435 किलोमीटर (270 मील) की दूरी पर स्थित है, अपने मंदिरों जैसे कि सेती प्रथम के साथ-साथ इसके नेक्रोपोलिस के लिए प्रसिद्ध है। आर्थिक संकट से जूझ रहे मिश्र को हर साल 30 मिलियन पर्यटकों के आने की उम्मीद लगभग 105 मिलियन मिश्र के लोग आर्थिक संकट में फंसे हैं और जीपीडी के 10 प्रतिशत के लिए पर्यटन पर निर्भर है, जिसमें दो मिलियन लोग कार्यरत हैं। काहिरा 2028 तक हर साल 30 मिलियन पर्यटकों के आने की उम्मीद करता है, जबकि कोरोनोवायरस महामारी से पहले यह 13 मिलियन था।

रूप विज्ञान

रूप का स्वरूप एवं परिभाषा अंगों की चर्चा के समय हमने भाषाविज्ञान के अभिव्यक्ति पक्ष में दो संरचनाओं को स्वीकार किया है। 1) ध्वन्यात्मक संरचना एवं 2) व्याकरणत्मक संरचना भाषा की व्याकरणालोक संरचना दो प्रकार की होती है। (क) रूपालोक संरचना और (ख) वाक्यात्मक संरचना रूप ६ ध्वनियों का सार्थक युग्म है जो व्याकरण के अनुरूप परिवर्तित होकर कथन में व्यवहृत होता है। इन्हीं रूपों का छोटा या बड़ा समूह वाक्य कहलाता है। रूप ही पद कहलाता है। वस्तुतः पद एवं रूप रूप व दोनों अर्थ पर्यावर्ती हैं। शब्द तथा रूप (पद) शब्द एवं पद में अन्तर है। सार्थक ध्वनि समूहों को शब्द कहा जाता है तथा शब्द का वाक्य में प्रयोग पद कहलाता है। सामान्यतः बोलचाल में शब्द और पद में अन्तर नहीं किया जाता। दोनों के लिए शब्द का का व्यवहार किया जाता है। संस्कृत में इसलिये मूल शब्द को प्रतिपादक कहते हैं क्योंकि यह उस मूल शब्द से बनने वाले प्रति पद में विद्यमान अन्तर है। स्पष्ट है कि संस्कृत भाषा में शब्द तथा पद में पर्याप्त अन्तर है। यथा एक वाक्य देखें— घोड़ा घास खाना। यद्यपि इसमें वाक्य के लिए आवश्यक कर्ता, कर्म, क्रिया सभी विद्यमान हैं परन्तु कोई अर्थ अभिव्यक्त नहीं। अर्थात्तय एवं ध्वनितत्व रूप—उपयुक्त विवेचन से यह स्पष्ट हो जाता है कि मूल शब्द प्रकृति है तथा वा प्रतियुक्त तथा पद में यह अन्तर है कि मूलशब्द के वाक्य में प्रयुक्त होने की योग्यता नहीं होती तथा पद में संबंध तत्व जुड़ने के कारण यह योग्यता आ जाते हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं। मूल शब्द, संबंध तत्व = पद या रूप राम मोहन मारा यहाँ यह स्पष्ट नहीं है कि किसने किसने मारा। यदि इसे ही हम संबंध तत्वों से युक्त कर दें तो वाक्य होगा रामने मोहन को मारा। यहाँ यह स्पष्ट हो गया है कि मारने की क्रिया करने वाला मारा है एवं क्रिया से प्रभावित मोहन है। संबंध तत्व के कार्य रूप— पद या रूप व्याकरणालोक संरचना है। इस व्याकरणालोक संरचना का आार है संबंध तत्व। मूल शब्द या प्रतिपादक के व्याकरणालोक आवश्यकता के अनुरूप ही संबंध तत्व समुक्त होता है। यथा मैं जाता हूँ, मैं जाती हूँ, वे जाते हैं वे जाती हैं। उपयुक्त वाक्य में जाना क्रिया के चार रूप हमें मिलते हैं। इनमें जुड़े चार संबंध तत्व है आ, ई, ए, ई। असा ए पुल्लिङ्ग एकवचन का बोध है, तो ई स्त्रीलिङ्ग एकवचन की। ए ए ए पुल्लिङ्ग बहुवचन का बोध है तो ए स्त्रीलिङ्ग बहुवचन की। रूप परिवर्तन रूप— एक बात और धार्वनि परिवर्तन के बाद पुरानी रूपों का प्रचलन समाप्त हो जाता है क्योंकि पुरानी ध्वनि को समाप्त करके ही नई ध्वनि आती है जब कि रूप परिवर्तन होने के बाद नए रूपों के साथ पुराने रूप भी चलते रहते हैं। यही कारण है कि कभी— कभी पुराने में एक ही पद के अनेक रूप साथ— साथ मिले जाते हैं। पतन्जलि ने भी महा भाष्य में इस बात को स्वीकार किया है। संस्कृत ए गो ए के साथ ही उसके अपभ्रंश रूप गोवा, गोपी, गोता, गोपोतलिका, आदि पद भी उसके समय में प्रचलित थे। रूप परिवर्तन की दिशाएँ रूप— रूप परिवर्तन की दो दिशाएँ हैं 1) नए रूपों की उत्पत्ति या आगम एवं 2) पुराने रूपों का नश। नए रूपों की उत्पत्ति रूप— ए रूपों में जब अधिक एककृता आ जाती है, तो रूपों के प्रयोग में भ्रम होने लगता है तब रूपों की एक कृता समाप्त करके उनमें अनेकरुपा लाने के प्रयास की ओर मनुष्य का मन उन्मुख होने लगता है। नवीनता का आकर्षण भी इसमें सहायक होता है। हिन्दी परसर्गा का विकास इसी प्रक्रिया का परिणाम है। पुराने रूपों का नाश रूप— किसी एक के पुराने एवं नए रूपों के एक साथ चलने पर वक्तुता पुराने रूपों का प्रयोग भार समझने लगता है। परिणामस्वरूप ये प्रयोग से ब्युत हो जाता है किन्तु वक्तुता द्वारा भविष्य में वे रूप फिर कभी व्यवहृत हो सकते हैं। संस्कृत के आठ कारकों के रूपों के स्थान पर हिन्दी में केवल तीन प्रकार के ही कारक मिलते हैं। संस्कृत के तीन वचन के विपरीत हिन्दी में दो ही वचन होती हैं। रूप परिवर्तन के कारण रूप—1) सरलता की मनोवृत्ति रूप— कठिन से सरल की ओर अप्रसर होना मानव प्रवृत्ति है। यह मनोवृत्ति रूप परिवर्तन को भी प्रभावित करती है। कारक एवं वचना तथा लिङ्ग के रूपों की संख्या कम करना इसी मनोवृत्ति का परिणाम है। नित नवीन एवं बनाने की मानव प्रवृत्ति होती है। जब परम्परागत शब्द रूपों का प्रयोग करते— करते मन ऊब जाता है, तो वह नए रूपों की खोज में प्रवृत्त होता है। यथा— सुन्दरता का सौन्दर्य, प्रयुक्तता का प्राचुर्य आदि। स्पष्टता रूप— शब्द रूपों में अर्थोक्त्य समानता से भाषा में अस्पष्टता आ जाती है। इस स्पष्टता को दूर करने के लिए पुनः भाषा के समान रूपों में भेद उत्पन्न किया जाता है। यथा— पालि में तुतीया, चतुर्थी, पंचमी, षष्ठी तथा सप्तमी विभक्तियों के शब्द रूप समान हो जाने पर षष्ठी विभक्तिके लिए, केरक तथा सप्तमी के लिए, मण्ड्य आदि सहायक शब्द रूपों का प्रयोग भाषा में चल पड़ा। इससे षष्ठी एवं सप्तमी विभक्तिके अर्थ में स्पष्टता आ गयी। अज्ञानता रूप— श्रेष्ठ के साथ— साथ श्रेष्ठतर, श्रेष्ठतम, उपयुक्त के स्थान पर उपरोक्त आदि एक अज्ञानता के उदाहरण हैं। शब्दागम, शब्द लोप एवं शब्द विपर्यय रूप— शब्द रूपों के परिवर्तन के अतिरिक्त भाषाओं में नए शब्द रूपों का लोप एवं विपर्यय भी होता है। नए शब्दों का आगम शब्दागम कहलाता है। यथा— पानी— जानी रीतिरिवाज, कामज पत्तर आदि। राजनीतिक एवं सांस्कृतिक प्रभाव के कारण कभी— कभी दूसरी भाषाओं के शब्द भी आ जाते हैं। अंग्रेजी, र गिलास व हिन्दी में पानी पीने के बर्तन के लिए प्रयुक्त होता है। निश्चय ही हमारे यहाँ भी कोई शब्द अवश्य रहा होगा, किन्तु वह आज लुप्त है और उसका स्थान अंग्रेजी भाषा के शब्द व गिलास व ने ले लिया है।



टी एस शान्ति मडुरे तमिल नाडु।
948620719

उद्योगपति दिनेश चंद्र उपाध्याय को उत्तर भारतीय समाज गौरव सम्मान



भायदर । मीरा भायदर के उद्योगपति तथा समाजसेवी दिनेश चंद्र उपाध्याय को उत्तर भारतीय समाज गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। आनंद सौरिस्टवेल ट्रस्ट द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज मैदान, ठाणे में आयोजित एक मध्य कार्यक्रम

में शिवसेना सांसद राजेश विहारे ने शौल और स्तुति बिन्दू देकर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर उत्तर भारतीय शिवसेना नेता सुरेश दुबे, शहर मुख्यालय के पूर्व तिवारी समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अशोक लीलेंद्र तथा टोयोटा समूह जैसे

प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थान से सेवानिवृत्त होने के बाद श्री उपाध्याय लगातार जनसेवा और राष्ट्र सेवा में जुड़े रहे। उद्योगपति के रूप में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आग्रह पर नोएडा में एक उद्योग संघालित कर रहे हैं। उद्योग और परिव्यय से जुड़े मुद्दों पर प्रधानमंत्री को भी सलाह देते रहे हैं। दिनेश चंद्र उपाध्याय के पुत्र डॉक्टर शैलेंद्र उपाध्याय सुप्रसिद्ध हिंदिय रोग विशेषज्ञ तथा बहू डॉक्टर रवेता उपाध्याय अमेरिका में कार्यरत हैं। पौत्र दीप उपाध्याय का पिछले दिनों अमेरिका के सबसे बड़े बैंकिंग कॉलेज में दाखिला हुआ है। दिनेश चंद्र उपाध्याय को उत्तर भारतीय समाज गौरव सम्मान दिए जाने पर साहल एजुकेशन के चेयरमैन पंडित लल्लन तिवारी, महाराष्ट्र के पूर्व गृहसचिव मंत्री कृपाशंकर सिंह, डॉ. रवीशंकर तिवारी समेत अनेक लोगों ने उन्हें बधाई दी है।

नशा न निर्धन को देखे न देखे धनवान जो भी करता नशे को शीघ्र पहुंछे

शमशाज - प्रभारी जागरूकता कार्यक्रम डॉ. अशोक कुमार वर्मा



बरवाला हिसार। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री अमिताभ सिंह डिल्लों के दिशानिर्देशों एवं मार्गदर्शन में युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया गया। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रमारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा अपने सहयोगी सहायक उप निरीक्षक राजेंद्र कुमार के साथ आज राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बरवाला में पहुंचे। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने का सन्देश देते हुए कहा कि ब्यूरो के पूर्व अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री श्रीकांत जाधव भारतीय पुलिस सेवा साहब ने एक नया दिया है

तू निश्चय तो कर कदम तो उठा निकल आया कोई रास्ता। ये केवल पंक्तियों ही नहीं है अपितु उनकी एक नशा मुक्त हरियाणा को लेकर सोच है। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि आज वे डिग्री संकलन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के रूप में कार्यरत हैं। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रमारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि नशा मनुष्य के लिए सबसे घातक है और यदि नशा स्वास्थ्य के लिए अंधा होता तो सबसे पहले मॉ अपने बच्चे को नशा देती। डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने युवाओं से विचार साझा करते हुए कहा कि नशा

व्यक्ति की आयु नहीं देखाता और न वह यह देखाता है कि व्यक्ति निर्धन है अथवा धनवान है। नशा यह भी नहीं देखाता कि नशा करने वाला बलशाली है अथवा दुर्बल। नशा तो केवल मनुष्य के जीवन को नष्ट करता है और उसे श्मशान तक पहुंचता है। उन्होंने बताया कि ड्रग्स बेचने वाले व्यक्तियों की गुप्त सूचनाएं 9050891508 पर दें और नशा छोड़ने वाले भी उपरोक्त नंबर पर सम्पर्क करें। उन्होंने अपने कहा कि हरियाणा राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो का गठन वर्ष 2020 में किया गया था। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने की शपथ ली।

गुप्ता ट्रेडर्स पर आयोजित मन की बात कार्यक्रम में पहुंचे एमएलसी डॉ सुधीर गुप्ता



पुवाया, शाहजहापुर (खिवा) को मन की बात का 99 वें एपिसोड का साप्ताहिक प्रसारण युवा व्यापार मंडल अध्यक्ष गुप्ता के प्रतिष्ठान गुप्ता ट्रेडर्स पर किया गया। अपने मन की बात के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सदियों पहले सौराष्ट्र के अनेकों लोग तमिलनाडु के अलग-अलग हिस्सों में बस गए थे।

वे लोग आज भी सौराष्ट्री तमिल के नाम से जाने जाते हैं छात्र दूध नंबर 399 अपने प्रतिष्ठान गुप्ता ट्रेडर्स पर मन की बात कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य डॉ सुधीर गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन

की बात कार्यक्रम के माध्यम से देश के विविध क्षेत्रों के किसान और संघर्ष की गाथाओं पर प्रकाश डालकर हम सबको प्रेरणा देने का कार्य करते हैं इस अवसर पर उनके साथ नगर महामंत्री मदन पाल, वृजेश गुप्ता, खिराग गुप्ता, साहल अमिन्होत्री, गौरव अवस्थी, राज रस्तगी, पद्म पाठ, सुमित मिश्रा, अमित गुप्ता, अक्षय मेहरोत्रा, शशांक गुप्ता, ऋषि गुप्ता, अमन गुप्ता, जितेंद्र मिश्रा, विशाल दुबे, पूर्णेश मिश्रा, मनु अरिन्होत्री, अमित श्रीवास्तव, आयुष दुबे, विशाल सदान्य डॉ सुधीर गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन

निर्मला फाउंडेशन का सम्मान समारोह और काव्य गोष्ठी संपन्न



मुंबई। सांताक्रुज पश्चिम स्थित सेंट्रल वेल्फेयर सेंटर में निर्मला फाउंडेशन द्वारा एस.एन.डी.टी. में यूनिवर्सिटी की हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो डॉ सुनीता साखरे एवं लालबहादुर यादवकरमलरका सम्मान समारोह एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन वरिष्ठ पत्रकार मधुराज मधु की अ अध्यक्षता एवं काव्यध्यक्ष चंद्रवीर

वंशीधर यादव, संरक्षक अजय कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष डॉ. अमर बहादुर यादव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। जिसमें प्रमुख अतिथि के रूप में डॉ. महेंद्र, नामदार राही, प्रिंसिपल जगदीश निर्मल कुमार, वार्डस प्रिंसिपल जगन्नाथ यादव वरिष्ठ अतिथि के रूप में डॉ. विशु म चोहरी, साहित्यकार राम

अवतार यादव, होशिला प्रसाद अन्वेषी, हत्या हरीश, विनय शर्मा दीप, यशपाल शर्मा उपस्थित थे। काव्य गोष्ठी में सुप्रसिद्ध कवि राम सिंह, हिंदी साहित्य अकादमी पुरस्कृत, रवि यादव, जवाहरलाल निर्वरी, जाकिर हुसैन रहवर, कल्याण यादव, अनुष्ठा रावत, सत्यवती मौर्य, मृदुला तिवारी, प्रेम जौनपुरी, श्रीनाथ शर्मा, श्रीराम मिश्र ने अपनी कविताओं से सभी का मन मोह लिया। गिराचरी लाल पंडित, राजेंद्र कुमार गुप्ता, आरके रा, राकेश वर्मा, विद्या शर्मा, सीमा चौधरी और सीमा चौधरी विशेष रूप से उपस्थित थे। प्रस्ताविकी फाउंडेशन की अध्यक्ष प्रो. शशिक्ला पटेल ने की और बहुत ही रोचक ढंग से संवादन महसूस किए। अमरबहादुर पटेल ने किया।

पत्रकार सम्मान व होली मिलन समारोह का हुआ आयोजन



फरिहा - आजमगढ़ निजामाबाद तहसील के शास्त्र शिक्षण संस्थान फरिहा के प्रांगण में आइडियल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के द्वारा खिवा के होली मिलन एवं पत्रकार सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन साहित्यक्षेत्र आजमगढ़ के जीवन को नष्ट करता है और उसे श्मशान तक पहुंचता है। उन्होंने बताया कि ड्रग्स बेचने वाले व्यक्तियों की गुप्त सूचनाएं 9050891508 पर दें और नशा छोड़ने वाले भी उपरोक्त नंबर पर सम्पर्क करें। उन्होंने अपने कहा कि हरियाणा राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो का गठन वर्ष 2020 में किया गया था। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने की शपथ ली।

महासचिव संजय कुमार पाण्डेय मौजूद रहे। कार्यक्रम में निजामाबाद एसडीपी ने अपने वक्तव्य में कहा कि, क्षेत्र की बहुत सी समस्याओं का पत्रकार के माध्यम से आसानी से पता चल जाता है, जिससे उसका निराकरण हो जाता है। तथा पत्रकार समाज को आईना दिखाता है, जिससे शासन अतिथि के रूप में उप जिलाई। केयर्सने जयकाश पांडेय ने कहा कि पत्रकार निस्वार्थ भाव से सेवा करता है हम एक दूसरे का सम्मान करते हैं और सहयोग भी आदान प्रदान करते हैं, जो

साराहनीय है। कार्यक्रम का संवादन आइडियल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय तहसील अध्यक्ष मार्टिनगंज विनोद कुमार यादव ने किया। वहीं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में संगठन के राष्ट्रीय महासचिव एवं साहित्यकार संजय कुमार पाण्डेय ने अपने वक्तव्य एवं कविताओं के माध्यम से समाज को दिशा देने का कार्य किए। जिलाईयक्ष आजमगढ़ विकास पंडे ने कहा कि आइडियल जर्नलिस्ट एसोसिएशन पत्रकार संगठन पत्रकार हित में मजबूती से कार्य कर रहा है और हमेशा कला रहेगा। इस अवसर पर सभी तहसील के अध्यक्ष पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्याम जी उपाध्याय, मनोज गुप्ता, जयकाश श्रीवास्तव, नुरलहंन फिरोजी, विजय विश्वकर्मा, मनोज बैद, ब्रजेश यादव, बेनाल जावेद आदि, पद्माकर पाठक, राममन, दुर्गी मिश्रा, वृजमान विश्वकर्मा, रिंकू चौधान, शिवशंकर यादव, अभिलाष उपाध्याय, विजय शंकर यादव, शिवमसाद गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

हरियाणा एनसीबी के एडीजीपी श्री अमिताभ सिंह दिल्ली के दिशानिर्देशों से नशे के विरुद्ध 207वां जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



कुरुक्षेत्र। हरियाणा राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री अमिताभ सिंह डिल्लों साहब के दिशानिर्देशों एवं मार्गदर्शन में कुरुक्षेत्र जिले में आज नशे के विरुद्ध 207वां जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। वे आज प्रातः साढ़किल पर

सवार होकर पीपली से न्यू बस अड्डे और सिरसला सड़क पर लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूक करते हुए निकले एवं स्काईट में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी हरियाणा शाखा द्वारा आयोजित जिला स्तरीय जूनियर रेड क्रॉस ट्रेनिंग कैंप में नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान के अंतर्गत मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के पदाधिकारी प्रकाश चंद राठी, नरेश पाल, सतीश

राणा और किरण कश्यप आदि ने उनका स्वागत किया। ब्यूरो अधिकारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मनुष्य के जीवन का लक्ष्य केवल भौतिकतावाद तक सीमित नहीं होना चाहिए अपितु राष्ट्र और देश के प्रति अपने कर्तव्य निर्वहन का हो और वो भी सर्वोपरि। उन्होंने कहा कि नशा एक ऐसी सामाजिक और आपराधिक बुराई है जो परिवार के सभी व्यक्तियों के जीवन को प्रभावित करती है। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों एवं कविता के माध्यम से अपनी बात प्रतिभागियों तक पहुंचाई। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक स्वर में जीवन में नशा न करने की शपथ ग्रहण करते हुए कहा कि वे प्रतिबद्ध नशा बेचने वाले लोगों की गुप्त सूचनाएं ब्यूरो के हेल्पलाइन नंबर 9050891508 पर देंगे। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार व भ्रष्टाचार नियंत्रण ब्यूरो का राजस्थान में विस्तार



हनुमानगढ़। भारत वर्ष में सबसे तेज विस्तारित हो रहे संगठन राष्ट्रीय मानवाधिकार व भ्रष्टाचार नियंत्रण ब्यूरो ने राजस्थान राज्य में अपना विस्तार करते हुए बाड़मेर, जैसलमेर, बालोतरा, हनुमानगढ़ जिलों में मनोनायन किया है।

उपरोक्त के संदर्भ में राष्ट्रीय मानवाधिकार व भ्रष्टाचार नियंत्रण ब्यूरो के राष्ट्रीय अध्यक्ष आर के पाण्डेय एडवोकेट (हाई कोर्ट इलाहाबाद) ने बताया है कि राजस्थान स्टेट में रघुवीर सिंह राठौर जिलाध्यक्ष बाड़मेर, उदय सिंह जिलाध्यक्ष जैसलमेर, कान सिंह राठौर जिलाध्यक्ष बालोतरा, राकेश कुमार गोयल तहसील अध्यक्ष भा (जनपद हनुमानगढ़) जबकि देवी सिंह जिला सचिव जैसलमेर व धारा राम बयातू (जनपद बाड़मेर) से ऐक्टिव मंबर मनोनीत किए गए हैं।

उपरोक्त के संदर्भ में राष्ट्रीय मानवाधिकार व भ्रष्टाचार नियंत्रण ब्यूरो के राष्ट्रीय अध्यक्ष आर के पाण्डेय एडवोकेट (हाई कोर्ट इलाहाबाद) ने बताया है कि राजस्थान स्टेट में रघुवीर सिंह राठौर जिलाध्यक्ष बाड़मेर, उदय सिंह जिलाध्यक्ष जैसलमेर, कान सिंह राठौर जिलाध्यक्ष बालोतरा, राकेश कुमार गोयल तहसील अध्यक्ष भा (जनपद हनुमानगढ़) जबकि देवी सिंह जिला सचिव जैसलमेर व धारा राम बयातू (जनपद बाड़मेर) से ऐक्टिव मंबर मनोनीत किए गए हैं।

बता दें कि राष्ट्रीय मानवाधिकार व भ्रष्टाचार नियंत्रण ब्यूरो राष्ट्रीय स्तर पर कार्य योजना बनाकर मानवाधिकार संरक्षण तथा भ्रष्टाचारमुक्त भारत अभियान पर कार्य कर रहा है।

डॉ रोशनी किरण को मिला संत नामदेव विद्या पुस्तकार सम्मान देने वाला



मुंबई। महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी द्वारा साहित्यकारों को बांद्रा के रंगाराम में सम्मानित किया गया, जिसमें साहित्यकार डॉ रोशनी किरण की किताय, कस्तुरी अंबर से (दोहा ऋतुवर्षी) को भी ६ संत नामदेव ६ विया पुस्तकार में कांय मिली। अकादमी अध्यक्ष सुधीर मुनगटवीवार, काव्यध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) शीतला प्रसाद दुबे , पुस्तकार प्रदाता अभिनेता मनोज जोशी , अकादमी सदस्य गजानन महतपुरकर , प्रोफेसर (डॉ.) सुयोग कुलकर्णी एवं प्रोफेसर (डॉ.) कृष्णाशंकर उपाध्याय द्वारा डॉ रोशनी किरण को यह सम्मान दिया गया। पुस्तकार समारोह में उन्हें सरस्वती ऋ वन्दना करने का भी सम्मान मिला।

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी द्वारा साहित्यकारों को बांद्रा के रंगाराम में सम्मानित किया गया, जिसमें साहित्यकार डॉ रोशनी किरण की किताय, कस्तुरी अंबर से (दोहा ऋतुवर्षी) को भी ६ संत नामदेव ६ विया पुस्तकार में कांय मिली। अकादमी अध्यक्ष सुधीर मुनगटवीवार, काव्यध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) शीतला प्रसाद दुबे , पुस्तकार प्रदाता अभिनेता मनोज जोशी , अकादमी सदस्य गजानन महतपुरकर , प्रोफेसर (डॉ.) सुयोग कुलकर्णी एवं प्रोफेसर (डॉ.) कृष्णाशंकर उपाध्याय द्वारा डॉ रोशनी किरण को यह सम्मान दिया गया। पुस्तकार समारोह में उन्हें सरस्वती ऋ वन्दना करने का भी सम्मान मिला।

मीडिया को अद्भुत सम्मान देने वाला



अपने किरौती भी समाचार को, रचना को वे बहुत ही आदर के साथ गूगल पर, स्तर गाम और फेस बुक, मसेनजर के अलावा अपनी रचनाओं के साथ यु टू व व्हाट्सएप पर भी अद्भुत रूप से दिलाते हुए रचना पाठ करते हैं जिसके वीडियो को पूरे विश्व स्तर पर हजारों में सुना और सराहा जाता है, इन वीडियो में डॉ चंचल अपने आठ दस दिन के भीतर प्रकाशित समाचार और रचनाओं को लेते हुए रचना पढ़ते हैं देश में पहली बार समाचार पत्रों के समाचार को यू टू व व्हाट्सएप जाता है जो पहले कभी ऐसा नहीं हुआ सभी मीडिया के समाचार को पुरा आदर और सम्मान दे उन्हें बहुत अच्छा और सुव्यव लाता है उनका कहना है मुझे समुच्च बेहद खुशी है कि मेरे देश का मीडिया उम्मा, प्रभावशाली होने के साथ बहुत निष्पक्ष है जो हर कोई की प्रतिभा कला का बहुत ही आदर करते हुए उन्हें पूरा सम्मान दे प्रकाशित करता है देश के इस महान मीडिया को जिस पर देश का आनेवाला कल भी निर्भर करता है जिस पर सभी देशवासियों को विश्व में प्रदर्शे। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

देश का पहला साहित्य साक्षर डॉ रामशंकर चंचल मध्य प्रदेश के महान साहित्य साधक डॉ रामशंकर चंचल की दृष्टि में मीडिया बहुत ही आदर और सम्मान के योग्य है उन्होंने सदा ही मीडिया को बहुत बहुत ही आदर से देखा और सम्मान दिया है आज भी मीडिया में प्रकाशित अपने किरौती भी समाचार को, रचना को वे बहुत ही आदर के साथ गूगल पर, स्तर गाम और फेस बुक, मसेनजर के अलावा अपनी रचनाओं के साथ यु टू व व्हाट्सएप पर भी अद्भुत रूप से दिलाते हुए रचना पाठ करते हैं जिसके वीडियो को पूरे विश्व स्तर पर हजारों में सुना और सराहा जाता है, इन वीडियो में डॉ चंचल अपने आठ दस दिन के भीतर प्रकाशित समाचार और रचनाओं को लेते हुए रचना पढ़ते हैं देश में पहली बार समाचार पत्रों के समाचार को यू टू व व्हाट्सएप जाता है जो पहले कभी ऐसा नहीं हुआ सभी मीडिया के समाचार को पुरा आदर और सम्मान दे उन्हें बहुत अच्छा और सुव्यव लाता है उनका कहना है मुझे समुच्च बेहद खुशी है कि मेरे देश का मीडिया उम्मा, प्रभावशाली होने के साथ बहुत निष्पक्ष है जो हर कोई की प्रतिभा कला का बहुत ही आदर करते हुए उन्हें पूरा सम्मान दे प्रकाशित करता है देश के इस महान मीडिया को जिस पर देश का आनेवाला कल भी निर्भर करता है जिस पर सभी देशवासियों को विश्व में प्रदर्शे। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सिर्फ दो साल जेल में रहने के बाद जिहादी हत्यारों को जमानत मिल गई



विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री सुद्धे गुप्ता ने कहा कि रिक्त शर्मा की जघन्य हत्या की पूरे देश में कड़ी प्रतिक्रिया आई, पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और जेल भेज दिया लेकिन उन्हें सजा सुनाने की बजाय जमानत दे दी गई न्यायालय में सबेरा होते हुए भी जिहादियों के दिल्ली सरकार के मैन सम्बंध के कारण हत्यारों को सहाय्यता प्रदत्त करते हुए जमानत मिल जाती है। और वो बाहर आकर गवाहों को धमकाते हैं ये रिश्ता क्या कहलाता है ? उन्होंने कहा कि जिस निर्ममता से

रिक्त की हत्या हुई, उसने पूरे समाज को झकझोर दिया। राम का नाम लेने के कारण जिहादियों ने दुर्गी हत्या कर दी जबकि उसी जिहादी की भाभी को हस्पताल में खून भी भरने में जेल भेज दिया लेकिन उन्हें सजा सुनाने की बजाय जमानत दे दी गई न्यायालय में सबेरा होते हुए भी जिहादियों के दिल्ली सरकार के मैन सम्बंध के कारण हत्यारों को सहाय्यता प्रदत्त करते हुए जमानत मिल जाती है। और वो बाहर आकर गवाहों को धमकाते हैं ये रिश्ता क्या कहलाता है ? उन्होंने कहा कि जिस निर्ममता से

जाली है। ऐसे जघन्य अपराह में अगर जिहादियों को ऐसे ही जमानत मिलती रही तो रिक्त शर्मा को न्याय कैसे मिलेगा समाज में आक्रोश बढ़ना स्वाभाविक है। इसी आक्रोश के कारण आज आप सभी इतनी बड़ी संख्या में आए हैं। उन्होंने कहा हमारी दिल्ली सरकार से मांग है कि जो जिहादियों का मैन सम्बंध करना बंद करे क्योंकि इनके सम्बंधों के कारण आज आप सभी इतनी बड़ी संख्या में आए हैं। जिहादियों द्वारा ऐसी अनेक घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। कभी दिल्ली सरकार दिल्ली दंगे के आरोपी ताहिर के पक्ष में बयान

जारी करती है और बाद में अदालतों में सरकारी वकील उनको सजा दिलाने की बजाय उनको बयानों में लगे होते हैं हमारी केंद्र सरकार से भी मांग है की दिल्ली पुलिस को स्वाम सम्बंधी वकील नियुक्त करने की अनुमति मिलनी चाहिए नहीं तो पुलिस की प्रभावी कार्यवाही के बावजूद अपराधी आसानी से जमानत पर छूट रहे हैं और निर्भीक इनके सम्बंधों के कारण आज आप सभी इतनी बड़ी संख्या में आए हैं। जिहादियों द्वारा ऐसी अनेक घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। कभी दिल्ली सरकार दिल्ली दंगे के आरोपी ताहिर के पक्ष में बयान

जारी करती है और बाद में अदालतों में सरकारी वकील उनको सजा दिलाने की बजाय उनको बयानों में लगे होते हैं हमारी केंद्र सरकार से भी मांग है की दिल्ली पुलिस को स्वाम सम्बंधी वकील नियुक्त करने की अनुमति मिलनी चाहिए नहीं तो पुलिस की प्रभावी कार्यवाही के बावजूद अपराधी आसानी से जमानत पर छूट रहे हैं और निर्भीक इनके सम्बंधों के कारण आज आप सभी इतनी बड़ी संख्या में आए हैं। जिहादियों द्वारा ऐसी अनेक घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। कभी दिल्ली सरकार दिल्ली दंगे के आरोपी ताहिर के पक्ष में बयान

उपप्रो बार काउंसिल के सह अध्यक्ष

का फूल मालाओं से हुआ भव्य स्वागत

गोण्डा। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के सह अध्यक्ष का अतिवक्तियों ने फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के सह अध्यक्ष प्रशांत सिंह अटल तहसील कर्नलगंज पहुंचे। जिस पर तहसील समारोह में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। अधिवक्तागण ने अपने सह अध्यक्ष का अधिवक्तियों ने फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। स्वागत समारोह को संबोधित करते हुये सह अध्यक्ष प्रशांत सिंह अटल ने कहा कि उत्तर प्रदेश बार काउंसिल प्रदेश के अधिवक्तियों के हित में निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 171 मृतक अधिवक्तियों के परिवार को 8 करोड़ 32 लाख पचास हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा चुकी है। वहीं पिछले वर्ष 34 करोड़ 67 लाख रुपये दिया गया था। इस मौके पर कार्यवाहक अध्यक्ष प्रताप बेली सिंह, मंत्री बाबादीन मिश्र, वरिष्ठ अधिवक्ता सत्यनारायण सिंह, रामबाबू पाण्डेय एवं अधिवक्ता जीतलाल गोस्वामी सहित अनेकों अधिवक्तियों ने सह अध्यक्ष का अधिवक्तियों ने फूल मालाओं से स्वागत करते हुए अपने विचार रखे। इस मौके पर सुशील कुमार सिंह, रामसुंदर तिवारी, संजय मिश्र, अरविंद शुक्ला, धीरेन्द्र मिश्र, सत्यनारायण सिंह, श्यामभर शुक्ल, हृदयनारायण मिश्र, अमरेश चतुर्वेदी, रामबाबू पाण्डेय, जीतलाल गोस्वामी, दिनेश गोस्वामी सहित भारी संख्या में अधिवक्तागण मौजूद रहे।



भारतीय नववर्ष पर

निकाली गई बाईक रैली

कर्नलगंज, गोण्डा। रविवार को भारतीय नव वर्ष विक्रमी संवत् 2080 के पान अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा एक मोटर साइकिल रैली निकाल कर जन जागरण किया गया। कर्नलगंज नगर के सामाजिक संगठनों और नगरवासियों की सहभागिता से रविवार को कर्नलगंज डाक बंगले से निकाली गई बाईक रैली बस स्टॉप चौराहा, मोर्यनगर चौराहा से होते हुए गुड मण्डा, गाड़ी बाजार, घंटाघर, गुरुद्वारा, सर्वामाई थान, सुक्या पुवा चौराहा, अस्पताल मोड़ से सकरोरा चौराहा होते हुए गायत्री मंदिर पहुंची। इस दौरान भारत माता की जय और वंदनात्मक के खूब नारे लगे।



रास्ते के विवाद को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

गोण्डा। जिले के विवाद को लेकर इटियाथोक थाना क्षेत्र ग्रामीणों ने प्रदर्शन करती अन्तर्गत ग्राम पंचायत हुए रास्ता खुलवाने की तारी परिसोहियां में रास्ते मांग की है। मामला

किसान पंचायत के रूप में मनायी गयी
डॉ नन्द किशोर की पुण्यतिथि

फूलपुर (आजमगढ़)। नन्दकिशोर यादव चिकित्सक के फूलपुर तहसील के अम्बारी स्थित सरस्वती रामाकृष्ण मन्दिर पर डॉ नन्दकिशोर यादव की छठवीं पुण्यतिथि किसान पंचायत के रूप में मनायी गयी। किसान पंचायत में डॉ नन्दकिशोर के व्यक्तित्व एवं कृतत्व पर चर्चा के अलावा किसानों के ज्वलंत मद्दे पर चर्चा किया। इस दौरान किसानों को अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया गया। सर्व प्रथम डॉ नन्दकिशोर यादव की छठवीं पुण्यतिथि पर लोगो ने उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। वक्तों में डॉ नन्दकिशोर यादव के व्यक्तित्व एवं कृतत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि डॉ

किसानों की जमीनों को छीना किसान के साथ अन्याय है। इसलिए किसान चुप नहीं रहेगा। क्योंकि किसानों के हित में डॉ नन्दकिशोर यादव लड़ाई लड़ते हैं। यही डॉ नन्दकिशोर के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अंत में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक श्याम बहादुर सिंह यादव ने कहा कि जो सरकार किसानों, महिलाओं, युवाओं की बात न सुन सके उस सरकार को बदल देनी चाहिए। किसानों को अत्यासन दिया कि किसानों की जमीन को सुरक्षा के लिए आंदोलन तेज किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्याम बहादुर सिंह यादव, कमलेश यादव, डॉ सुरेश यादव, रफीक अहमद, डॉ सुभाष यादव, सूरज विश्वकर्मा, राजीव यादव, राम जग यादव, आधा प्रसाद सिंह, विरेन्द्र यादव, रामाडा यादव, अरिंदर आदि रहे। अध्यक्षता पूर्व प्रधानाचार्य शाह मोहमद इस्माइल एवं संचालन दिनेश यादव ने किया। कार्यक्रम के संयोजक विरेन्द्र यादव एवं राजेश यादव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कैशपार माइक्रो क्रेडिट संस्था द्वारा समूह के
माध्यम से महिलाओं को किया गया जागरूक

गंभीरपुर आजमगढ़। कैशपार माइक्रो क्रेडिट संस्था द्वारा गांव में समूह के माध्यम से कार्य करने वाली महिलाओं को मुहम्मदपुर में रविवार को जन जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उप जिलाधिकारी निजामाबाद ने समूह महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप स्वयं जागरूक हो, तो आपको पूरा परिवार जागरूक होगा किसी साहूकार से ऋण न लें, यदि आवश्यकता हो तो ऐसे संस्था से ऋण लें, जो आप वी आई के गाइड लाइन का पालन करता है। खंड विकास अिाकारी मुहम्मदपुर डॉ अराधना त्रिपाठी ने कहा कि महिलाएं व्यवसाय से जुड़े और अपनी आय को बढ़ाकर परिवार को आगे कर किसी प्रकार की जनकारी व सुझाव के लिए वह तैयार है। डिजिटल ऑफिसर लाल बहादुर ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य गांव के ग्रामीणों को जागरूक करना और उन्हें अन्य संस्थाओं से होने वाले फ्रॉड को बचना है तथा ऋण उपलब्ध कराकर उन्हें व्यवसाय की ओर प्रेरित कर उनके सामाजिक और आर्थिक स्थिति को मजबूत करना है।

ऑडिट मैनेजर राम कुमार ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य गांव की महिलाओं को आरबीआई के गाइडलाइन का पालन करना और उन्हें अपने कार्य के प्रति जागरूक करना है। शिक्षा और चिकित्सा अधिकारी अनुज प्रताप सिंह ने कहा कि कैशपार माइक्रो क्रेडिट संस्था में उत्तर प्रदेश सहित कई प्रांतों में 2200 अ. यापक, 43 हजार छात्रों को शिक्षा दे रहे हैं, संस्था का उद्देश्य इस समूह के बच्चों को वर्ष 17 करोड़ शिक्षा एवं 8 करोड़ का बचत स्खा पर खर्च करने का लक्ष्य गया है। रामाजसेवी रामअवतार स्नेही ने कहा कि समूह महिलाएं जिस कार्य के लिए ऋण ले, उसी कार्य में उसे खर्च करें, जिससे संस्था का उद्देश्य महिलाओं के जीवन यापन को उपर उठाने के लिए है वह साकार हो सके इस अवसर पर मुख्य रूप से क्षेत्रीय अिाकारी अरविंद कुमार, सविता सिंह, ऑडिट मैनेजर रामकुमार, ब्रांच मैनेजर संतोष कुमार, ई. मंडे कुमार, विशाल कुमार, श्वेता, आरती, नाजिया परवीन, शुभम जायसवाल, सविता, सीमा भारती, ग्राम रोजगार सेवक राधेश्याम आदि लोग उपस्थित थे।

नारी शक्ति भारतीय शक्ति में
महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है

गोण्डा रविवार को 99 वें संस्करण मन की बात में प्रधानमंत्री मोदी जी नारी शक्ति की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें इस बात पर गर्व है कि एशिया की पहली महिला लोको पायलट सुरेखा यादव ने एक और रिकॉर्ड बनाया। वह बंदे भारत की पहली महिला लोको पायलट बनीं। मन की बात के 99 संस्करण में मोदी ने शक्ति की सराहना की। नारी शक्ति उत्तरी भारतीय शक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। नागालैंड में 76 साल में पहली 2 महिला विधायक अपनी जीत के साथ विधानसभा पहुंचीं। मन की बात 99वां संस्करण में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2013

घनश्याम जायसवाल ने बताया कि भाजपा का पदाधिकारी होने के नाते वह हर माह के आखिरी रविवार को पदाधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात को स्वयं सुनते हैं। भारतीय जनता पार्टी जिला पदािाकारियों द्वारा मिले निर्देश के क्रम में पहले से निर्धारित की गई वृथो पर बृथ अध्यक्ष और पदाधिकारियों के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुनते हैं। घनश्याम जायसवाल ने बताया कि मोबाइल आ जाने की वजह से घरों में रेडियो की संख्या कम हो गई थी लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी की मन की बात कार्यक्रम को सुनने के लिए अब गांव में लोग रेडियो के प्रति रुझान बढ़ी है उन्होंने बताया कि वह स्वयं एक रेडियो खरीदा है जिस पर अधिकांश मन की बात कार्यक्रम पदािाकारियों के साथ सुनते हैं। मन की बात कार्यक्रम शुरुआत होने के 1 सप्ताह पूर्व सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों से भी आग्रह करते हैं कि प्रधानमंत्री जी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात को सुनें और लोग उसका अनुसरण कर आगे बढ़ें।

मंगलवार को बहाल हो जायेगा
सरयू पुल पर आवागमन

खल्ट हुआ इंतजार, लेकिन कौन होगा इन समस्याओं का जिम्मेदार। कर्नलगंज, गोण्डा। तहसील क्षेत्र के अन्तर्गत गोंडा लखनऊ राजमार्ग स्थित सरयू नदी पर बने कटराघाट पुल की मरम्मत का कार्य धीमी गति से चलकर अब सम्पन्न हो गया है। पुल के मरम्मत कार्य के चलते लोगों को करीब दो माह तक भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। जिसका सीधा असर लोगों की दिनचर्या पर देखने को मिला। चाहे स्कूल जाने वाले बच्चे हों या राजधानी लखनऊ से होकर अन्य स्थानों को जाने वाले यात्री और या राजधानी तक इलाज कराने जाने वाले मरीज सभी परेशान दिखे। फिलहाल अब पुल का मरम्मत कार्य पूर्ण हो जाने के बाद इंतजार की घड़ी खत्म हो गई है और नदी विभागीय अधिकारियों के नृताधिक मंगलवार को सरयू पुल पर आवागमन बहाल हो जायेगा। आपको बता दें कि बीते वर्ष मरम्मत के दौरान एडुलेस व डामरजंसी वाहनों को निकलने की व्यवस्था थी पर इस बार समझदार अिाकारियों ने अपनी समझदारी का परिचय देते हुए सरयू पुल पर बैरिकेडिंग का निर्माण कुछ इस प्रकार किया कि जिसमें डामरजंसी

वाहनों के आवागमन में बड़ी दिक्कत आई और उन्हें भी वैकल्पिक मार्गों का सहारा लेना पड़ा। यह तो गंभीर है कि अब तक कोई अतिथि घटना किसी मरीज के साथ नहीं घटी नहीं तो इसका जिम्मेदार कौन होता ? बहरहाल जिम्मेदारों द्वारा मरम्मत कार्य को एक माह में पूरा हो जाने को बताया गया था उस कार्य को करीब दो माह ख्यती होने के बाद पूरा कराया जा सका। अब यह सवाल उठता है कि पुल के मरम्मत के दौरान आवागमन हेतु सहारा बने वैकल्पिक मार्गों के क्षतिग्रस्त होने की भरपाई कब और कैसे होगी और आखिर इसका जिम्मेदार कौन होगा। फिलहाल अब पुल का मरम्मत कार्य पूर्ण हो जाने के बाद इंतजार की घड़ी खत्म हो गई है। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता विनोद त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि पुल के मरम्मत का कार्य पूर्ण हो चुका है और आगामी 28 मार्च मंगलवार से पुल पर पुनः आवागमन बहाल हो जायेगा।

आवश्यकता है

शुष्मी झोपड़ी हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
एवम्
JJ News Portal
के लिये उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले
के लिए संवाददाता, पेजमेकर आपरेटर,
विज्ञापन प्रतिनिधि और एजेंसी / ब्यूरो
चीफ बनने हेतु सम्पर्क करें !

सम्पादक - संजय कुमार यादव
9918366626 9454084311
पता
277/129, चकिया, जगमल का हाता,
पीपलवाड़ी एटीएम के पास

रास्ते के विवाद को लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया और मांग की शीघ्र ही रास्ता खुलवाया जाय। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों में से मोहम्मद नईम ने बताया कि विपक्षीयों वारिस अली, शाहिद, वाजिद, मुस्लिम आदि ने रास्ते को अवरुद्ध कर दिया है, जिससे आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिसकी शिकायत स्थानीय थाने पर समाधान दिवस में भी की गई लेकिन लेखपाल की हीला हवाली से अब तक इस मसले का हल निकाला नहीं जा सका है। जिससे ग्रामीणों में राजस्व लेखपाल दिनेश सर्रोज के प्रति काफी आक्रोश व्याप्त है। प्रदर्शन में मोहम्मद मुक़ीम, मोहम्मद हकीम, वरकत अली, समीउल्लाह, मोहम्मद आजाद सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस एवं वन दरोगा के
संरक्षण में पेड़ों की हो रही अवैध कटान

हरे भरे पेड़ पर चल रहा आरा, जिम्मेदार बेखबर। कर्नलगंज, गोण्डा। स्थानीय क्षेत्र में वन दरोगा एवं पुलिस प्रशासन के संरक्षण में लगातार हरे पेड़ों की अके-कटान हो रही है। लेकिन जिम्मेदार वन विभाग के अिाकारियों एवं पुलिस प्रशासन द्वारा सब कुछ संज्ञान में होते हुए ना ही अवैध कटान करने वालों के विरुद्ध मुकदमे दर्ज

कराकर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है और ना पेड़ों की कटान पर अंकुश लगाया जा रहा है। जिससे बेखोफ दरोगा माफिया लोग प्रतिबन्धित पेड़ों को लगातार धराशायी कर रहे हैं। इसी क्रम में कोतवाली कर्नलगंज क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम फतेहपुर कोटहना में हरे पेड़ काटे जाने का मामला प्रकाश में आया है, लेकिन जिम्मेदार सब कुछ जानकार बेखबर

बने हैं। मात्सुम हों कि संपूर्ण प्रकरण कर्नलगंज क्षेत्र से जुड़ा है। मिली जानकारी के मुताबिक क्षेत्र के फतेहपुर कोटहना में हरे पेड़ काटे जाने की सूचना पर वन दरोगा के इस्तक़ेप से कुछ देर के लिए पेड़ काटने का काम रुक गया, लेकिन बताया गया कि थोड़ी ही देर बाद दुबारा पुनः उसी पेड़ की कटान शुरू कर दी गई। अब

सवाल यह उठता है कि आखिर वन दरोगा ने जानकारी होने पर भी ऐसे लोगों के विरुद्ध कार्यवाही क्यों नहीं की? या पेड़ काटने वाले कानून से भी भारी हैं। जो भी हरे लेकिन मामले में कहीं न कहीं जिम्मेदारों का गैर जिम्मेदाराना रोल और पेड़ काटने वालों की दबंगई को बू आती है। आपको बता दें कि इस तरह के कई मामले क्षेत्र के ग्राम तालेमऊ के पंडितपुरवा, मोहर के नौशहर, फतेपुर कोटहना के झिंगही में पेड़ों के अवैध कटान के सामने आ चुके हैं। वहीं पुलिस और वन विभाग के जिम्मेदार स्थानीय प्रशासकों से आंख मिचौली का खेल खेल रहे हैं और प्रकरण संज्ञान में जांच काराकर कार्यवाही की जा रही है का रटा रटया बयान देकर मामले को हजम कर लिया जाता है। जिससे जिम्मेदार अधिकारियों, कर्मचारियों और पेड़ों की कटान करने वालों की गठजोड़ उजागर हो रही है।

